ज़रा सोचें...

देह भान को छोड़ना देह छोड़ना नहीं... कर्मेन्द्रियजीत बनना

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

हम कहीं फंसे नहीं, कोई हमें खींचे नहीं, रूहानी प्यार से चलना, आत्मिक प्यार, संगमयुग का समय भगवान से प्यार करने का समय है। अभी कोई देहधारियों में बुद्धि नहीं लगानी, बाबा पर पूरा फिदा हो जाना है, पूरा समर्पित हो जाना है, बलिहार जाना है। बाबा कहते हैं ना कि कोई इन्द्रिय रस भी न खींचे, ज्ञान नहीं था तो इन्द्रियों के रस में डूबे रहते थे। बुद्धि ही औरों के तरफ थी। देखो, ज्ञान नहीं था तो क्या सोचते थे, कहा बुद्धि रहती थी। इसके घर में ऐसा, इसके घर में ऐसा, ये ऐसे, ये ऐसे औरों में बुद्धि रहती थी। सारी दुनिया की पंचायत करते रहते थे। पहला पाठ ही बाबा ने ऐसा पढ़ाया जो सबसे निकल स्व में स्थित हो गये। अपने आप को चेक करें, सबसे निकले हैं? एक बाबा में बुद्धि लगी है? स्व में स्थित हुए हैं? बाबा ने कहा है ना कि कई तो पढ़कर पढ़ाने लग जाते हैं, और कई तो पहली पोथी में ही मुंझे हुए हैं। हमने अभी तक पहला पाठ ही पक्का नहीं किया जबकि वो हमारा फाउंडेशन है।

देखने का रस, कौन कहाँ जा रहा है? किससे मिल रहा है? क्या बात कर रहा है? दूसरों में ही नज़र, सुनने का रस, तेरी-मेरी दुनिया भर की बातें, खुद का ठिकाना नहीं और दुनिया भर की पंचायत। अभी भी वो रस है, पहले लौकिक की करते थे अब अलौकिक की करते हैं। और वो सुनने के लिए तो कान भी खुले, आँखें भी खुली। अच्छा मुझे तो पता ही नहीं हैं बताओ, बताओ। मैं तो जानती ही नहीं। अरे, अगर बातें नहीं जानेंगे तो क्या देवता नहीं बनेंगे! ये समझते हैं जैसे ये व्यर्थ की पंचायत नहीं जानेंगे तो देवता नहीं बनेंगे। कोई भी रस में बुद्धि है तो बुद्धियोग ऊपर में जायेगा ही नहीं।

योग क्यों नहीं लगता है? योग में आनंद क्यों नहीं आता है? क्योंकि अभी तक इन्द्रियों के रस में लगे हुए हैं, बातें करने में लगे हैं, कोई काम नहीं है, फुर्सत में बैठें हैं, तो अदंर-अदंर में राह देखते रहेंगे कोई आये तो बात करें। बातें करने का रस, साइलेंस का रस नहीं, क्योंकि साइलेंस में रहना पसंद नहीं है, और बाबा से बात मन करता नहीं है इसलिए फिर नींद करते रहते हैं कई। क्यों नींद आती है? बाबा से प्यार से बातें करो। खाने का रस, खाऊं, खाऊं बस। आज ये बना है, आज ये बना, खाने में ही बुद्धि है। बाबा ने हमारा जीवन सादा, सरल, सात्विक बनाया है ताकि इसमें बुद्धि न जाये। पहले खाने के लिए जीते थे अब जीने के लिए, सात्विक खाना, शुद्ध खाना, ये सारे नियम, मर्यादाएं किस लिए हैं ताकि हम दैहिक रसों से ऊपर उठें, क्योंकि हमारा लक्ष्य है हरेक कर्मेन्द्रियों से, देहभान का त्याग करना। हमें संपूर्ण आत्मअभिमानी बनना है। इसी साधना से जीवन शुरू होता है और इसी साधना से मंज़िल प्राप्त होती है। जब ज्ञान नहीं था तो हर कर्मेन्द्रियों से विकर्म किया।

अभी भी ब्राह्मण जीवन में लक्ष्य नहीं है, अपने आप पर अटेंशन नहीं है। अभी भी अपने आप में देखो कर्मेन्द्रियों से विकर्म होते रहते हैं। कर्मेन्द्रियों का सही उपयोग हो रहा है या नहीं! वाणी बिगड़ती रहती है। खोटे कर्मों में साथ देते हैं कितनी शक्ति वेस्टकरते हैं। बाबा कहते हैं ज्ञान नहीं था तो हर कर्मेन्द्रियों से पाप किये अब लक्ष्य रखना है मुझे कि हर कर्मेन्द्रियों से पुण्य आत्मा बनना है। बाबा समझाते हैं पर बनने का लक्ष्य तो मुझे रखना है ना! जब तक खुद लक्ष्य नहीं बनायेंगे,अटेंशन नहीं रहेगा। लक्ष्य बनाओं अब मुझे हर कर्मेन्द्रियों से पुण्य आत्मा बनना है। हर कर्मेन्द्रियों को कमल फूल समान बनाना, चरण कमल, हस्त कमल, नयन कमल, मुख कमल, देवताओं की महिमा क्या है? ये ही है ना! भक्ति में गाते थे ना कृष्ण की महिमा हसीतम् मधुरम्,चलीतम् मधुरम्, खलीतम् मधुरम्, मधुराधीपति मधुरम् मधुरम्। क्या पर्सनैलिटी थी देवताओं की, और हमारा लक्ष्य है देवता बनना तो बुद्धि में क्लीयर होना चाहिए कि देवता बनना माना क्या बनना है? योगी का गायन है योगी जन उसको कहें, 'शीतल जिनके अंग' जिनकी हर कर्मेन्द्रियां शीतल हों माना विकार की कोई अग्नि नहीं। हम योगी हैं पक्का है ना सबको, हम भोग मार्ग छोड़ चुके हैं। योग मार्ग के राही बने हैं। हमारी हर कर्मेन्द्रियां शुद्ध, शीतल, योगी की दृष्टि महासुखकारी हम हर एक को किस नज़र से देखते हैं। नाराज़गी से देखते हैं? ईर्ष्या, द्वेष से देखते हैं, अवगुण की दृष्टि से देखते हैं।

हमारी दृष्टि क्या है? हमारी आपस में दृष्टि क्या है? हम एक-दो को किस नज़र से देखते हैं? बाबा कहते हैं रूहानी नज़र से देखो, गुणग्राही दृष्टि से, शुभ दृष्टि से देखना। तो कहीं भी हिसाब नहीं बनेगा। निगेटिव दृष्टि से देखा तो हिसाब बना। इसलिए बाबा ने पहला पाठ हमें क्या सिखाया कि खुद को देह से अलग आत्मा समझो। ये सत्य वो नहीं जानते थे भक्ति में योगी बनने के लिए परिवार से दूर चले गये। दुनिया से दूर जंगल में चले गये। हमें बाबा ने सहज योग सिखाया। हमें हर क्षण देह द्वारा कर्म करना है और हर क्षण देहभान से न्यारा रहना है। कितना अटेंशन चाहिए? जीवन भर जो अभ्यास करेंगे, जो मनन-चिंतन स्मृति में रहेगा वही अंत में याद रहेगा। अगर चाहते हैं अंत में बाबा याद रहे तो जीवन भर बाबा को याद करो।

अपने आप को दृष्टा होकर देखना है कि देहभान, कर्मेन्द्रियों का रस व प्रकृति, पदार्थ के रस आकर्षित तो नहीं कर रहे! हम ये सब छोड़ चुके हैं ये स्मृति बनी रहे। हमें जहाँ जाना है उसकी स्मृति का रस परमात्मा से प्राप्त कर लेना है। हमें जो करना है क्या हम वही कर रहे हैं, जो हमें करना चाहिए? या अभी भी कर्मेन्द्रियां हमें चला रही हैं! ये देखकर,चेक कर चेंज करें और अपने को जहाँ जाना है उस तरफ मोड़ते चलें...

पौंटा साहिब-सिरमौर(हि.प्र.)। यमुना शरद महोत्सव के आयोजन पर माननीय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को ईश्वरीय सौगात, प्रसाद व ओम शान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. संध्या बहन।

हिरमी-सुहेला(छ.ग.)। चैतन्य देवियों की झाँकी का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए पूर्व सांसद छाया वर्मा, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी, सरपंच अध्यक्ष भुनेश्वर वर्मा, पूर्व जनपद सदस्य ओम प्रकाश करसायल, उप सरपंच भानु वर्मा, कांग्रेस नेता सुरेन्द्र सिंह ठाकुर तथा ब्र.कु.नमिता बहन।

गुरूग्राम-हरियाणा। ओम शांति रिट्रीट सेंटर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'दुआओं का दरिया' आयोजित कार्यक्रम में उपस्थिति रहे ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. भावना बहन तथा अन्य अतिथिगण। कार्यक्रम का 400 लोगों ने लाभ लिया।

समस्तीपुर-बिहार। रेल मंडल और ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में रेल अधिकारियों के लिए आयोजित तनाव प्रबंधन एवं मेडिटेशन कार्यशाला में उपस्थित हैं राजयोगी ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई,माउण्ट आबू, पूर्व डीआरएम आलोक अग्रवाल, डीआरएम जे.के. सिंह, सीनियर डीपीओ ओम प्रकाश सिंह, ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. कृष्ण भाई, ब्र.कु. तरुण भाई तथा अन्य।

ग्वालियर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग द्वारा प्रभु उपहार भवन माधौगंज केंद्र पर 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ग्वालियर' के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों डॉ. राहुल सप्रा,अध्यक्ष, डॉ. ब्रजेश सिंघल,सेक्रेटरी, डॉ. स्नेहलता दुबे, डॉ.गजराज सिंह गुर्जर, डॉ. पी.वी. आर्य, डॉ. अमित निरंजन, डॉ. जी. एस. गुप्ता, डॉ. आलोक श्रीवास्तव, डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल, डॉ. प्रतीक जैन, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. संदीप वाजपेजी, डॉ. ज्योति प्रियदर्शनी, डॉ. एच.पी अग्रवाल, डॉ. मनोज बंसल, डॉ. मेघा बांदिल, डॉ. सुरेखा सप्रा, डॉ. निर्मला कंचन, डॉ. हिना डॉ. प्रशांत लहारिया,इलेक्ट अध्यक्ष को सम्मानित करने के पश्चात् साथ हैं स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन तथा ब्र.कु. प्रहलाद भाई। माउण्ट आबू से ऑनलाइन जुड़े ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग सेक्रेटरी राजयोगी ब्र.कु. डॉ. बनारसीलाल भाई।

झिरिया-रीवा(म.प्र.)। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजेंद्र शुक्ल पूर्व मंत्री वर्तमान विधायक,रीवा, शिविर के आयोजक यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील सिंह, संरक्षक शाहिद परवेज, डॉ. सुनीता पांडे, डॉ. महेश श्रीवास्तव, क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, श्रीमती ज्योति प्रदीप सिंह,पार्षद वार्ड क्रमांक-12, अंबुज रजक पार्षद वार्ड क्रमांक-18, सुनील निगम निवर्तमान पार्षद, राजगोपाल चारी, क्षितिज दुबे एवं राजीव तिवारी उपस्थित रहे। शिविर में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चिकित्सकों डॉ.अनुभव गुप्ता,चिकित्सा विशेषज्ञ, डॉ. पयासी, डॉ. विकास श्रीवास्तव, डॉ. शिव कुमार गर्ग,मस्तिष्क एवं रीड की हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. आराधना त्रिपाठी महिला एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ, डॉ. बीपी मिश्रा चाइल्ड रोग विशेषज्ञ, सौरभ सक्सेना बर्न एवं प्लास्टिक सर्जन, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी हड्डी रोग एवं रीड की हड्डी रोग विशेषज्ञ, सैयद आरिफ अहमद डेंटल सर्जन एवं डॉ. एच. के. पांडे, जिरियाट्रिक विशेषज्ञ उपस्थित रहे। शिविर में अपना प्रमुख योगदान दिया- शिवेंद्र सिंह,जबलपुर एलके एम कंपनी के द्वारा टी एमटी जांच निःशुल्क की गई। साथ ही स्वामी अमरनाथ श्रीवास्तव, दवा इंडिया विजय अग्रवाल, अशोक चौरसिया, पुनीत थापर, शाहबाज अहमद तथा सलीम अहमद और कृष्ण लाल तिवारी विशेष रूप से सहयोगी रहे। स्वास्थ्य शिविर में 500 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया।

कोहड़िया-बरपारा(छ.ग.)। तनाव मुक्ति केन्द्र में चैतन्य देवियों की झांकी का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए भा.ज.पा. के प्रदेश उपाध्यक्ष लखन लाल देवांगन, महापौर राजकिशोर प्रसाद, पार्षद नरेंद्र कुमार देवांगन, समाजसेवी एम.डी. मखीजा, डॉ. के.सी. देबनाथ, कमल कर्माकर, ब्र.कु. रूक्मणी दीदी, ब्र.कु. बिन्दु बहन तथा अन्य।

धमतरी-छ.ग.। नवरात्रि पर्व पर चैतन्य देवियों की झांकी का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करने के पश्चात् समूह चित्र में विजय देवांगन,महापौर नगर पालिक निगम, उपासना देवांगन, ब्र.कु. सरिता दीदी तथा अन्य।

ब्रह्मपुर-ओडिशा। प्रभु उपहार रिट्रीट सेंटर पर त्रि-दिवसीय चैतन्य दुर्गा झाँकी कार्यक्रम में मंचासीन हैं भेषज विशेषज्ञ डॉ. चंदन गंतायत, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. माला दीदी, क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी एवं विशिष्ट समाज सेवी अक्षेन्दु जी।

दानापुर-गोला रोड(बिहार)। दुर्गा पूजा पर्व पर ब्र.कु. गायत्री बहन तथा ब्र.कु. मीरा बहन के निर्देशन में चैतन्य देवियों की झाँकी निकाली गई।